

संपादकीय

दांव-पेच और जोड़-तोड़

खेला करने की सियासत से अधिकांश पार्टियों को गुरेज नहीं रह गया है। अब तो यह हाल है कि जो इसमें ज्यादा कारगर होता है, मीडिया और विश्लेषकों का एक बड़ा वर्ग भी उससे मोहित होकर उसका गुणगान करने लगता है।

वात नई नहीं है, लेकिन अब बहुत बद्रूप ढंग ले चुकी है। अक्सर राज्यसभा चुनावों के दौरान इसका नंगा नाच देखने को मिलता है। इस दौरान की खरीद-फरोख्त को पार्टियों ने अपनी शक्ति और सियासी कौशल के प्रदर्शन का प्रतीक बना लिया है। अब तो यह हाल है कि जो इसमें ज्यादा कारगर होता है, मीडिया और विश्लेषकों का एक बड़ा वर्ग भी उससे मोहित होकर उसका गुणगान करने लगता है। चूक खेला करने की सियासत से अधिकांश पार्टियों को गुरेज नहीं रह गया है, इसलिए इस हम्माम में सभी नगे नजर आते हैं।

मसलन, मंगलवार को राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान के समय हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने अपने इस कौशल का परिचय दिया, तो कर्नाटक में कांग्रेस इसमें भारी पड़ी। ज्यादा वक्त नहीं गुजरा है, जब बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने खेला कर दिखाने का एलान किया था, हालांकि असल वक्त आने पर खुद उनकी पार्टी के साथ खेला हो गया।

बहरहाल, जब कोई चलन इतना बेपर्दे रूप ले चुका हो, तो यह जरूरी हो जाता है कि उसे संचालित करने वाली परदे के पीछे की परिघटना को समझने की कोशिश की जाए। तो अगर हम गौर करें, तो यह साफ होने में देर नहीं लगती कि जिस लोकतंत्र पर हम गर्व करते हैं, वह धीरे-धीरे धनिकतंत्र या अभिजात्य-तंत्र में तब्दील हो चुका है। जो राजनीतिक पार्टियां हैं, वे असल में देश के छोटे से प्रभु वर्ग के हितों का प्रतिनिधित्व करने लगी हैं।

अगर गौर से देखें, तो यह साफ होगा कि इन दलों के बीच होड़ प्रभु वर्ग का भरोसा हासिल करने की होड़ लगी हुई है। फिलहाल यह भरोसा पार्टियों की चुनाव जीत सकने की क्षमता के आधार पर मिलता है। तो दलों के बीच धर्म, जाति या क्षेत्र के आधार पर भावनाएं भड़का कर जीत सकने की क्षमता दिखाने की होड़ लगी है। प्रभु वर्ग इसी क्षमता के अनुपात में पार्टियों को राज का प्रबंधन करने के संसाधन वह उपलब्ध कराता है। अगर इस क्रम में निष्ठा, आदर्श, राजनीतिक नैतिकता और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की बलि चढ़ गई है।

संतोष ट्रॉफी 2024 : मणिपुर, दिल्ली, रेलवे ने क्वार्टर फाइनल में बर्थ

इटानगर (अरुणाचल प्रदेश), यहां के गोल्डन जुबली स्टेडियम में गुरुवार को मणिपुर, दिल्ली और रेलवे ने संतोष ट्रॉफी 2024 के लिए राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। छह टीमों में अपना स्थान पक्का कर लिया। छह टीमों में अपना स्थान पक्का कर लिया। छह टीमों में अपना स्थान पक्का कर लिया।

साथ समूह में शीर्ष पर हैं। इस बीच, दिल्ली और रेलवे दोनों अब सात-सात अंक पर हैं और इस तरह उन्होंने अंतिम आठ में अपना स्थान पक्का कर लिया है। ग्रुप ए में चार क्वार्टर फाइनलिस्ट पहले ही तय हो चुके हैं, केवल एक नॉकआउट स्थान बचा है, जो ग्रुप बी में मिजोरम (चार अंक), महाराष्ट्र (तीन अंक) और कर्नाटक (दो अंक) के बीच खेला जाएगा।

रेलवे ने गत चैंपियन कर्नाटक को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी योग्यता की पुष्टि की।

मुंबई में शीर्ष पर हैं। इस बीच, दिल्ली और रेलवे दोनों अब सात-सात अंक पर हैं और इस तरह उन्होंने अंतिम आठ में अपना स्थान पक्का कर लिया है। ग्रुप ए में चार क्वार्टर फाइनलिस्ट पहले ही तय हो चुके हैं, केवल एक नॉकआउट स्थान बचा है, जो ग्रुप बी में मिजोरम (चार अंक), महाराष्ट्र (तीन अंक) और कर्नाटक (दो अंक) के बीच खेला जाएगा।

बैड कोलेस्ट्रॉल में फायदा पहुंचाता है पाइनएप्पल

शरीर को स्वस्थ और फिट बनाए रखने के लिए जूस का सेवन फायदेमंद होता है। जूस न सिर्फ शरीर को एर्जी देना का काम करता है, कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल या कम करने के लिए अनानास (पाइनएप्पल) का जूस अधिक फायदेमंद हो सकता है।



स्वादिष्ट बना देता है और इसके साथ लहसुन पाउडर छिड़ककर आप अपने स्वाद को और भी विशेष बना सकते हैं। कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करे पाइनएप्पल-हाई

पाइनएप्पल में विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करते हैं। ये एक सिट्रस फ्रूट है, जो फैट को घटाने में भी सहायक हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल की वजह से आर्टीज में फूट जमा होने लगता है, जो हार्ट अटैक, स्ट्रोक, डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का कारण बन सकता है। कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सिट्रस फ्रूट्स मदद कर सकते हैं, जिसमें पाइनएप्पल एक बेहतर ऑप्शन को सकता है।

कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। ये फल विटामिन, फाइबर और प्रोटीन तत्वों से भरपूर होता है, जिसके सेवन से ब्लड में मौजूद कोलेस्ट्रॉल को कम किया जा सकता है।

दालचीनी के साथ खाएं पाइनएप्पल-पाइनएप्पल को खाने का एक अनोखा और स्वादिष्ट तरीका है उसे रोस्ट करके तैयार करना। इसके लिए पाइनएप्पल के छिलकों को हटाकर उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर उसपर थोड़ा सा तेल, ब्राउन शुगर और दालचीनी पाउडर छिड़क दें। फिर इसे हल्का सा पैन पर रोस्ट करें। इस प्रक्रिया के बाद, आपके सामने तैयार होगा एक खिला-खिला और स्वादिष्ट स्नैक, जो आप गर्मागर्म ही सर्व कर सकते हैं। यह न केवल स्वादिष्ट होता है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है।

पाइनएप्पल सालसा- यह पाइनएप्पल सलाद एक आसान और स्वादिष्ट व्यंजन है जिसे आप अपने खाने के साथ शामिल कर सकते हैं। इसमें मध्यम आकार के पाइनएप्पल को काटकर उसमें प्याज, जलापेनो, नींबू का रस, हरा धनिया, और नमक मिलाया जाता है। इसे ठंडा करने के लिए फ्रिज में रखा जाता है ताकि इसका स्वाद और ठंडा बना रहे। यह स्वादिष्ट सलाद आपके भोजन को और भी

बंद आर्टीज को खोलें पाइनएप्पल-होल फ्रूट्स इनसाइडलोपीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पाइनएप्पल में पाए जाने वाले ब्रोमेलैन ब्लड में मौजूद फैट को कम कर, बंद हो चुकी आर्टीज को खोलने का काम करता है। हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण स्लो ब्लड सर्कुलेशन को भी सुधारता है।

द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरी ने नेटफ्लिक्स पर दी दस्तक

साल 2015 में अपनी बेटी शीना बोरा की हत्या के आरोप में इंद्राणी मुखर्जी की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। शीना बोरा मर्डर केस पर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने एक डॉक्यूमेंट्री-सीरीज द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरी-बरीड टूथ बनाई है।



नाम ही नहीं लेते। द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरी: बरीड टूथ देखें, अब केवल नेटफ्लिक्स पर अंग्रेजी, हिंदी, तमिल और तेलुगु में यह डॉक्यूमेंट्री पहले 23 फरवरी, 2024 को रिलीज होनी थी, लेकिन बॉम्बे हाई कोर्ट ने इसकी रिलीज पर रोक लगा दी।

नेटफ्लिक्स ने इस खबर की जानकारी देते हुए लिखा, कुछ सवाल आपके हमेशा परेशान करते रहेंगे और कुछ रहस्य मिटने का

पहले 23 फरवरी, 2024 को रिलीज होनी थी, लेकिन बॉम्बे हाई कोर्ट ने इसकी रिलीज पर रोक लगा दी।

साजिशों से भरी इस डॉक्यूमेंट्री में इंद्राणी मुखर्जी, उनके बच्चे विधि मुखर्जी और मिखाइल बोरा, अनुभवी पत्रकार और वकील हैं जो बेकां पारिवारिक गतिशीलता और जटिल प्रेषणाओं पर प्रकाश डालते हैं।

